B.Ed – 2nd Year **Nakul Sah**

Pedagogy of Biological Science **Assistant Professor**

Course- 7 (b)

Lecture - 37

पियाजे

Rest of lecture 36

निर्मितवाद के प्रकार

शिक्षाविदों ने लगभग बारह निर्मितवादी सिद्धान्त के मोडयूल की व्यात्था की है जिसका आधार मनोविज्ञान एंव ज्ञान भीमासा है शिक्षा मे निर्मितवादी सिद्धान्त के दो मूल प्रारूप है।

पियाजे का संज्ञानात्मक निर्मितवादी

जीन पियाजे का कार्य संज्ञानात्मक निर्मितवाद का आधर है जिसमे किस प्रकार शिक्षार्थी वैयक्तिगक रूप से अपने संसार में वैद्धिक संरचानाओ को स्वीकारते हैं। इसमे व्यक्ति अकेला अर्थ निकालता है। शिक्षको को छात्रो मे विशिष्ट कृत्यो द्वारा कठिनाई प्रस्तुत करते है संज्ञानात्मक परिवर्तन करना चाहियें।

सामाजिक निर्मितवादी

सामाजिक निर्मितवादी मे यह स्वीकारा गया है कि ज्ञान के व्यक्ति एंव सामसजिक दो भग है और इन्हे किसी भी अर्थपूर्ण रूप से अतग से नही देखाजा सकता व्यक्ति दूसरो की उपसिथति मे ज्ञान की संरचना करता है जो पर्यावरण को भाषा पूर्ण निर्धारित करते है। अनेक शिक्षाविद संज्ञानात्मक एंव सामाजिक निर्मितवाद परिप्रेक्ष्य के उपयोगी संश्लेषण पर बल देते है।

NAKUL KUMAR

शैक्षिक सिद्धान्तो की व्युत्वत्ति –

★ अनुदेशन का मुख्य उददेशय संप्रत्यय विकास एंव गहन बोध है अनुदेशन का मात्र कौशल एवं व्यवहार विकास नहीं है।

★ अधिगम निर्मितवादी प्रक्रिया है जिसे छात्रो को पूरा करना हैं छात्र सक्रिय विधार्थी हैं शिक्षाविदो का कार्य छात्रों को वह अवसर उपलब्ध कराना है छात्र ज्ञान का निर्माण कर सकें।

★ विषय वस्तु और अधिगम प्रविधि दोनो का चिंतन सर्वोपरि है।

★ सहयोगी समूह द्वारा छात्रो के बोध का परीक्षा किया जाये तथा विशिष्ट समस्या सवंधित वोध को बढाया जाये ।

★ शिक्षको द्वारा छात्रो के लिए नवीन ज्ञान जो कक्षा मे पढाया गया है तथा छात्रो के विगत अनुभवों में सुस्पस्ठ संबंध जोडा जाये शिक्षक पाठ अथवा इकाई के मुख्य संप्रत्ययो तथा विवेचनात्मक बिन्दुओं का संबंध साराश द्वारा अभ्यास द्वारा बनाये रखें।

★ शिक्षको को पूर्वाग्रह द्वारा छात्रो के चितंन का चुनौती देनी चाहिये।

★ निर्मितवाद पूर्वज्ञान के अनुभव के परीक्षण पर बल देता लें

★ निर्मितवादी का मूल सिद्धान्त है कि व्यक्ति सक्रिय होकर अपने ज्ञान की संरचना की नवीन ज्ञान की अपने पूर्व ज्ञान से तुलना करें जिससे नवीन बोध कर सकें ।

NAKUL KUMAR

To be continued……